Department of Hindi

SYLLABUS

Four Year Undergraduate Programme (FYUGP) in Hindi

For Digboi College (Autonomous)

As per NEP-2020 Guidelines

Approved by the
Board of Studies, Department of Hindi
On 26 April, 2025

Digboi College (Autonomous)

Digboi - 786171 (Assam) India

प्रस्तावना (Preamble) :

हिंदी साहित्य के स्नातक मेजर पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर प्रस्तुत किया गया है । इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि छात्रों को उनके चयनित विषय में गहन एवं विस्तृत ज्ञान प्रदान करना है, साथ ही मानवीय और सामाजिक मूल्यों से युक्त एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की आलोचनात्मक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, सृजनात्मकता और नैतिक संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करता है।

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका होती है। साथ ही भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी है। यहाँ तक कि मानक हिंदी भाषा के अंतर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं जिनका साहित्य भी हिंदी भाषा में समृद्ध कर रहा है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया है। इसमें उल्लेखित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित का सकेगा बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकेगा ।

यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) की भावना के अनुरूप लचीलापन, वैकल्पिकता, कौशल विकास और मूल्य-आधारित शिक्षा को अपनाता है। मूल्यांकन की सतत प्रक्रिया, प्रायोगिक शिक्षा और बहुविषयी दृष्टिकोण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विभिन्न करियर विकल्पों के लिए तैयार करते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला, समावेशी एवं बहुआयामी बनाने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। यह नीति छात्रों को चौतरफा विकास के लिए तैयार करने तथा उन्हें भारतीय भाषाओं, संस्कृति और ज्ञान परंपरा से जोड़ने का उद्देश्य रखती है। इस संदर्भ में हिंदी विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हिंदी एक समृद्ध भाषिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा की संवाहक है, जो देश की व्यापक जनसंख्या से जुड़ाव रखती है। हिंदी विभाग, NEP 2020 की मूल भावना के अनुरूप, विद्यार्थियों को न केवल भाषा और साहित्य का गहन अध्ययन प्रदान करता है, बल्कि उन्हें आधुनिक सोच, आलोचनात्मक दृष्टिकोण, सृजनात्मक अभिव्यक्ति, और राष्ट्रीय चेतना से भी जोड़ता है।
मुख्य विशेषताएँ इस निम्नांकित है:

- बहु-विषयक दृष्टिकोण: पाठ्यक्रम में साहित्य, भाषा, संस्कृति, लोक साहित्य, मीडिया, अनुवाद अध्ययन, और रचनात्मक लेखन आदि को समाहित किया गया है।
- अनुभवात्मक एवं परियोजना आधारित अध्ययन: शिक्षण में पाठ के साथ-साथ फ़ील्ड वर्क, प्रेज़ेंटेशन, कार्यशालाएँ और मूल्यांकन के विविध तरीके अपनाए गए हैं।
- कौशल आधारित शिक्षा: अनुवाद, पत्रकारिता, रचनात्मक लेखन, आलोचना, व्याख्यान कला आदि के माध्यम से रोजगारोन्मुखी योग्यता का विकास।
- भारतीय ज्ञान परंपरा: हिंदी साहित्य के माध्यम से भारतीय दर्शन, चिंतन, सामाजिक सरोकारों और लोक संस्कृति को समझने का अवसर।

परिचय (Introduction) :

हिंदी साहित्य के स्नातक मेजर पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाये । उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाये ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके ।

उद्देश्य (Aims) :

हिंदी के स्नातक मेजर पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है-

- विषयवस्तु में गहराई और अनुसंधान के प्रति समझ विकसित करना।
- ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और समकालीन संदर्भों से जुड़ाव स्थापित करना।
- एक कुशल लेखन, वाचन, प्रस्तुति तथा संवाद की दक्षताओं का विकास करना।
- छात्रों में नागरिकता के मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता और वैश्विक दृष्टिकोण का संवर्धन करना।
- स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना ।
- विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना ।
- सम्प्रेषण कौशल का विकास करना ।
- समूह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत कराना ।

स्नातकीय विशेषता (Graduate Atributes) :

1. अनुशासनात्मक ज्ञान

• हिंदी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता ।

• विभिन्न साहित्यिक और महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता ।

• साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता ।

• विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषा विश्लेषण कौशल ।

• विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर पाठ विश्लेषण और पाठ आलोचना में योग्यता ।

• सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता ।

• साहित्य पढ़ने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा ।

2. प्रेषणीयता

• साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिंदी कथन एवं लेखन कौशल का विकास ।

• आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास ।

• सम्प्रेषण क्षमता का विकास ।

3. गंभीर विचार

• विचारात्मक सोच का विकास ।

• साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास ।

4. समस्या समाधान

• मौखिक एवं लिखित हिंदी में आनेवाली समस्याओं का समाधान।

• हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रश्नों का समाधान।

• हिंदी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबन्धित समस्याओं का समाधान।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता

• क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचय।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल

• अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन।

• अनुसंधान की मूल समस्यायों की पहचान।

• अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता

• हिंदी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ई-स्रोत का ज्ञान,

• हिंदी भाषा में ई-पृष्ठों, ई-समग्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता,

8. चिंतनशील सोच

• शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता,

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :

हिंदी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके।
2. हिंदी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नवीनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना और साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता का विकास हो सके।
6. आधुनिक संदर्भों में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिंदी साहित्य की जानकारी देना।
7. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।
8. विद्यार्थी में लेखन, वाचन और श्रवण का विकास करे हो जिससे उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
9. हिंदी साहित्य के अध्यायन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान और रोजगार के नये - नये मार्ग तलाशने योग्य बनाया जा सके।
10. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना।

शिक्षण अधिगम पद्धति (Teaching-Learning Process) :

- व्याख्यान व प्रशिक्षण (Lecture & Tutorial),
- सामूहिक चर्चा और बहस (Group Discussion and Debate),
- तकनीकी माध्यम द्वारा प्रस्तुति (Power point presentation),
- संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन (Seminar/ Workshop/ Conference),
- अध्ययन से संबन्धित पर्यटन अथवा परियोजना कार्य (Study tours/ Excursion or project work)
- मार्गदर्शक / सहायक शिक्षक और प्रशिक्षणार्थी (Mentor and Mentee)

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method) :

1. गृह समनुदेशन (Home Assignment)
2. परियोजना रिपोर्ट (Project Report)
3. कक्षा प्रस्तुति (Class Presentation)
4. सामूहिक चर्चा (Group Discussion)
5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा (In Semester Examination)
6. सत्र परीक्षा (End Semester Examination / Final Examination)

<u>FYUGP Structure as per UGC Credit Framework 2025</u>

Year	Semester	Course	Title of the Course	Total Credit
Year 01	1st Semester	CHIN101	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल	4
		MINHIN 101	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल	4
		MDCHIN 101	पटकथा लेखन एवं विज्ञापन	3
		AECHIN101	हिंदी भाषा और व्याकरण	4
		VAC101	Understanding India	2
		SEC101		3
				20
	2nd Semester	CHIN 202	हिंदी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल	4
		MINHIN 202	हिंदी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल	4
		MDCHIN 202	आधुनिक भारतीय कविता	3
		AEC202	English Language and Communication Skills	4
		VAC202	Environmental Science	2
		SEC202		3
				20
Year 02	3rd Semester	CHIN 303	आधुनिककाल: भारतेन्दु से छायावाद तक	4
		CHIN 304	आधुनिककाल: प्रगतिवाद से साठोत्तरी कविता तक	4
		MINHIN303	आधुनिककाल: भारतेन्दु से छायावाद तक	4
		MDCHIN 303	असमीया भाषा एवं साहित्य	3
		VAC 303	*Digital and Technological Solutions / Digital Fluency*	2
		SEC 303		3
				20
	4th Semester	CHIN405	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	4
		CHIN406	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4
		CHIN407	छायावादोत्तर काव्य	4
		CHIN408	हिंदी गद्य: उद्भव और विकास	4
		MINHIN 404	आधुनिककाल: प्रगतिवाद से साठोत्तरी कविता तक	4
				20

Year 03	5th Semester			
		CHIN 509	भारतीय काव्यशास्त्र	4
		CHIN 510	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
		CHIN 511	हिंदी कहानी	4
		MINHIN 505	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4
		IAPC500	Internship + Community Engagement / Project	2+2/4
				20
	6th Semester			
		CHIN612	भाषा विज्ञान	4
		CHIN 613	हिंदी उपन्यास	4
		CHIN 614	हिंदी नाटक एवं एकांकी	4
		CHIN 615	प्रयोजनमूलक हिंदी	4
		MINHIN 606	हिंदी कहानी	4
				20
Year 04	7th Semester			
		CHIN716	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	4
		CHIN717	हिंदी पत्रकारिता	4
		CHIN 718	हिंदी आलोचना	4
		MINHIN 707	प्रयोजनमूलक हिंदी	4
		RMHIN700	शोध प्रविधि (Research Ethics & Methodology)	4
				20
	8th Semester			
		CHIN819	लोक-साहित्य	4
		CHIN820	पूर्वोत्तर भारत में भाषा एवं साहित्य	4
		MINHIN808	हिंदी पत्रकारिता	4
		DESERTATION = 8 Credits / DSE – 1&2 = 4+4 Credits		
		DSEHIN1	तुलसी साहित्य (लघु शोध प्रबंध)	4
		DSEHIN2	प्रेमचंद साहित्य (लघु शोध प्रबंध)	4
				20
Grand Total (Semester I, II, III, IV, V, VI, VII and VIII)				160

SEMESTER I

Title of the Course	:	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल
Course Code	:	**CHIN101**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description):

हिंदी साहित्य के क्रमिक विकास द्वारा हमें हमारी मध्यकालीन सांस्कृतिक विरासत की दिशा, दशा और साहित्यिक गतिविधियों का पता चलता है; जिसे इस पत्र में दो कालखण्डों में बाँटकर उसे अध्ययन की व्यवस्था की गई है। हिंदी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में विभिन्न पड़ावों को जाने बिना उसका मूल्यांकन संभव नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम बनाया गया है; ताकि छात्रों को हिंदी की सही दिशा, दशा का पता चल सके और वे उसका लाभ उठाते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकें।

CO1: हिंदी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय से परिचित कराना।

- ILO1: विद्यार्थी हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की परम्परा को जान सकेंगे।
- ILO2: हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन के बारे में अवगत होंगे।
- ILO3: नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO2: हिंदी साहित्य के आदिकालीन साहित्य से परिचित कराना।

- ILO1: आदिकालीन परिस्थिति के बारे में जानेंगे।
- ILO2: आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं से परिचित होंगे।
- ILO3: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेंगे।
- ILO4: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं के कवियों से परिचित होंगे ।

CO3: भक्तिकालीन साहित्य के सामान्य परिचय से परिचित कराना।

- ILO1: भक्तिकाल की पृष्ठभूमि को समझेंगे।
- ILO2: हिंदी साहित्य में भक्तिकाल का उद्भव और विकास के स्वरूप से परिचित होंगे।
- ILO3: भक्तिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- ILO4: हिंदी साहित्य के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है, उसे समझेंगे।

CO4: भक्तिकालीन काव्य धारा से परिचय कराना।

- ILO1: निर्गुण भक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे।
- ILO2: सूफी काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे।
- ILO3: कृष्ण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे
- ILO4: राम भक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta Cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• हिंदी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय • हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा • हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या	11	4	15	15
2	• आदिकालीन साहित्य : सामान्य परिचय • आदिकालीन परिस्थितियाँ : सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक • आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ एवं प्रमुख कवि (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य)	11	4	15	15
3	• भक्तिकालीन साहित्य : सामान्य परिचय • भक्तिकाल की पृष्ठभूमि: सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक • भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास • भक्तिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ • भक्तिकाल हिंदी का स्वर्णयुग	11	4	15	15
4	• भक्तिकालीन काव्यधारा (निर्गुण और सगुण) • संत काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय • सूफी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय • कृष्ण काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय • रामभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate
- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी,
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
5. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा,
6. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER I

Title of the Course	:	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल
Course Code	:	**MINHIN101**
Nature of the Course	:	**Minor**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description):

हिंदी साहित्य के क्रमिक विकास द्वारा हमें हमारी मध्यकालीन सांस्कृतिक विरासत की दिशा, दशा और साहित्यिक गतिविधियों का पता चलता है; जिसे इस पत्र में दो कालखण्डों में बाँटकर उसे अध्ययन की व्यवस्था की गई है। हिंदी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में विभिन्न पड़ावों को जाने बिना उसका मूल्यांकन संभव नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम बनाया गया है; ताकि छात्रों को हिंदी की सही दिशा, दशा का पता चल सके और वे उसका लाभ उठाते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सके।

CO1: हिंदी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय से परिचित कराना।

- ILO1: विद्यार्थी हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की परम्परा को जान सकेंगे।
- ILO2: हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन के बारे में अवगत होंगे।
- ILO3: नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO2: हिंदी साहित्य के आदिकालीन साहित्य से परिचित कराना।

- ILO1: आदिकालीन परिस्थिति के बारे में जानेंगे।
- ILO2: आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं से परिचित होंगे।
- ILO3: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेंगे।
- ILO4: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं के कवियों से परिचित होंगे ।

CO3: भक्तिकालीन साहित्य के सामान्य परिचय से परिचित कराना।

- ILO1: भक्तिकाल की पृष्ठ्भूमि को समझेंगे।
- ILO2: हिंदी साहित्य में भक्तिकाल का उद्भव और विकास के स्वरूप से परिचित होंगे।
- ILO3: भक्तिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- ILO4: हिंदी साहित्य के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है उसे समझेंगे।

CO4: भक्तिकालीन काव्य धारा से परिचय कराना।

- ILO1: निर्गुण भक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे।
- ILO2: कृष्ण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे
- ILO3: राम भक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रवृत्तियों को जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4,		
Meta Cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• हिंदी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय • हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा • हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या	11	4	15	15
2	• आदिकालीन साहित्य : सामान्य परिचय • आदिकालीन परिस्थितियाँ : सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक • आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ एवं प्रमुख कवि (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य)	11	4	15	15
3	• भक्तिकालीन साहित्य : सामान्य परिचय • भक्तिकाल की पृष्ठभूमि: सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक • भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास • भक्तिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ • भक्तिकाल हिंदी का स्वर्णयुग	11	4	15	15
4	• भक्तिकालीन काव्यधारा (निर्गुण और सगुण) • संत काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय • कृष्ण काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय • रामभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि का सामान्य परिचय	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate
- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

7. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी,
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली,
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
10. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
11. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा,
12. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER I

Title of the Course	:	**पटकथा लेखन एवं विज्ञापन**
Course Code	:	**MDCHIN101**
Nature of the Course	:	**Multi-Disciplinary Course**
Total Credits	:	**3**
Distribution of Marks	:	**60 End Sem. + 40 (In Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description):

पटकथा लेखन एक हुनर है। पटकथा किसी फिल्म या दूरदर्शन कार्यक्रम के लिए लेखक द्वारा लिखा गया एक चिट्ठा होता है। इसमें संवाद और संवादों के बीच होने वाली घटनाओं एवं दृश्यों का विस्तृत वर्णन होता है। विद्यार्थियों को पटकथा लेखन (Script Writing) और विज्ञापन (Advertisement) की मूलभूत अवधारणाओं, तकनीकों और रचनात्मक प्रक्रियाओं से परिचित कराता है। इसमें दृश्य माध्यमों के लिए लेखन की संरचना,पात्र निर्माण, संवाद लेखन, दृश्य संयोजन तथा पटकथा की विभिन्न शैलियों को समाहित किया गया है। साथ ही यह पाठ्यक्रम विज्ञापन की दुनिया से भी परिचय कराता है । विज्ञापन की भाषा, शैली, उद्देश्य, जनसंचार में भूमिका, और सामाजिक सांस्कृतिक प्रभावों का अध्ययन इसमें किया जाता है।

CO1: पटकथा लेखन से परिचित कराना।

- ILO1: पटकथा लेखन के स्वरूप से परिचित होंगे।
- ILO2: पटकथा लेखन के अंग से अवगत होंगे।
- ILO3: पटकथा की भाषा और उसकी तकनीकी शब्दावली के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO2: पटकथा के विविध रूप से परिचित कराना।

- ILO1: धारावाहिक, टेलीफिल्म की पटकथा के बारे में जानेंगे।
- ILO2: फिल्म, वृतचित्र की पटकथा के बारे में जानेंगे।
- ILO3: संवाद एवं रेडियो नाटक की पटकथा को समझ सकेंगे।

CO3: विज्ञापन स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना।

- ILO1: विज्ञापन के अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार को समझेंगे।
- ILO2: विज्ञापन का महत्त्व एवं उपयोगिता से परिचित होंगे।
- ILO3: विज्ञापन के नए संदर्भ से अवगत होंगे।

CO4: विज्ञापन की भाषा का स्वरूप से परिचय कराना।

- ILO1: विज्ञापन की भाषागत विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।
- ILO2: विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष का अध्ययन कर पाएँगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4,		
Meta Cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• पटकथा लेखन : स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार • पटकथा की भाषा और उसकी शब्दावली	11	-	11	15
2	• पटकथा के विविध रूप : दृश्य और श्रव्य (धारावाहिक, टेलीफिल्म, फिल्म एवं वृत्तचित्र) • दृश्य रूप : धारावाहिक, टेलीफिल्म, फिल्म एवं वृत्तचित्र • श्रव्य रूप : संवाद एवं रेडियो नाटक आदि	11	-	11	15
3	• विज्ञापन : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार • विज्ञापन : महत्त्व एवं उपयोगिता • विज्ञापन के नए संदर्भ	11	-	11	15
4	• विज्ञापन की भाषा का स्वरूप • विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ • विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष	12	-	12	15
	Total	45	-	45	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन और विज्ञापन की व्यावहारिक निर्देशिका, संपादक – डॉ. निम्मी ए. ए. / डॉ. टी. श्रीदेवी , लोकभरती प्रकाशन, इलाहावाद
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका - कैलाश नाथ पाण्डेय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, 2015, दिल्ली
4. पटकथा कैसे लिखे, राजेंद्र पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. कथा-पटकथा, मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, 2014, दिल्ली

SEMESTER I

Title of the Course : **हिंदी भाषा और व्याकरण**
Course Code : **AECHIN101**
Nature of the Course : **Ability Enhancement Course**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description):

भाषा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। भाषा के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जीवित प्राणियों में एक मनुष्य ही ऐसा है जो अपनी भाषा को संरक्षित रखा है। मनुष्यों में भी अलग-अलग देशों, प्रदेशों और प्रदेशों में भी अलग-अलग क्षेत्रों की अपनी भाषा होती है। भाषा जगत के कार्य-व्यापार एवं व्यवहार का मूल है। इस पत्र में भाषा की परिभाषा,विशेषताओं आदि पर प्रकाश डाला गया है। व्यक्ति जब भाषा का प्रयोग करता है तो उसे कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे - उच्चारण, लिंग निर्धारण, वाक्यों के गठन, सम्प्रेषण आदि की समस्या, इसी बात को ध्यान में रखकर हिंदी भाषा और व्याकरण को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1: हिंदी भाषा की बारीकियों से परिचित करना ।
- ILO1: हिंदी भाषा अर्थ एवं स्वरूप से परिचित होंगे ।
- ILO2: हिंदी भाषा की परिभाषा को समझ सकेंगे ।
- ILO3: हिंदी भाषा के विविध रूप एवं प्रकृति की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- ILO4: हिंदी भाषा की विशेषताओं के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा ।

CO2: हिंदी की वर्ण व्यवस्था से परिचित होंगे ।
- ILO1: स्वर एवं व्यंजन तथा उसके प्रकार और प्रयोग को समझेंगे ।
- ILO2: ऊष्म वर्ण, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष-अघोष वर्णों से परिचित होंगे ।
- ILO3: संज्ञा, सर्वनाम और संधि की परिभाषा एवं प्रकार को समझेंगे।

CO3: हिंदी शब्द व्यवहार से परिचित कराना ।
- ILO1: क्रिया, विशेषण, कारक, उपसर्ग एवं प्रत्यय को जानेंगे ।
- ILO2: शब्दस्रोत से परिचित होंगे ।

CO4: वाक्य व्यवस्था के बारे में सिखाना।
- ILO1: वाक्य, पदबंध एवं उपवाक्य के भेद रचना की दृष्टि से समझेंगे।
- ILO2: विलोम शब्द के बारे में जान सकेंगे ।
- ILO3: पर्यायवाची शब्द के बारे में जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• भाषा : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा • हिंदी भाषा के विविध रूप, प्रकृति एवं विशेषताएँ	11	4	15	15
2	• हिंदी वर्ण : स्वरूप एवं भेद (स्वर एवं व्यंजन) • ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण • घोष, अघोष • संज्ञा, सर्वनाम और संधि – परिभाषा और प्रकार	11	4	15	15
3	• क्रिया, विशेषण, कारक, उपसर्ग एवं प्रत्यय • शब्द स्रोत- तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज शब्द	11	4	15	15
4	• वाक्य व्यवस्था- वाक्य, पदबंध,उपवाक्य भेद (रचना की दृष्टि से वर्गीकरण) • विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
2. हिंदी भाषा- डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना – अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

SEMESTER-II

Title of the Course	:	हिंदी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल
Course Code	:	**CHIN202**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के रीतिकालीन युग का गहन अध्ययन कराता है। रीतिकाल, जिसे 'शृंगारकाल' भी कहा जाता है, हिंदी साहित्य का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें काव्य सौंदर्य, अलंकार, नायिका भेद, नायकों के गुण तथा रस सिद्धांतों पर विशेष बल दिया गया है। इस युग में काव्य रचना दरबारी संस्कृति से प्रभावित थी और साहित्य का उद्देश्य मनोरंजन, सौंदर्य और कलात्मकता रहा। इस कोर्स में प्रमुख रीतिकालीन कवियों (जैसे बिहारी, केशव, देव, पद्माकर आदि) की रचनाओं और उनकी विशेषताओं का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा।

CO1: हिंदी साहित्य के रीतिकाल से परिचित करना ।

ILO1: रीतिकालीन युग के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को पहचान सकेंगे।

ILO2: 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति को समझ पाएंगे।

ILO3: रीतिकाल के नामकरण को जान पाएंगे ।

ILO4: रीतिकाल के काल निर्धारण के आधारों को समझकर तार्किक रूप से उसका मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO2: लक्षण ग्रंथों में वर्णित काव्यशास्त्रीय अवधारणाओं से परिचित कराना ।

ILO1: रीतिकालीन लक्षण ग्रंथों की परंपरा एवं विकास को ऐतिहासिक क्रम में समझ सकेंगे।

ILO2: 'प्रमुख लक्षण ग्रंथकारों जैसे आचार्य केशव, चिंतामणि, मतिराम आदि के योगदान की पहचान करेंगे।

ILO3: रीतिकाल में वीर रस काव्य का सामान्य परिचय, सामाजिक पृष्ठभूमि और विशेषताओं को स्पष्ट कर सकेंगे ।

ILO4: रीतिकालीन प्रवर्तकों में केशवदास व चिंतामणि की भूमिका की समीक्षा करेंगे।

CO3: रीतिकालीन काव्यधारा का वर्गीकरण से परिचित होंगे।

ILO1: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं की परिभाषा और भिन्नताओं को समझ पाएंगे।

ILO2: रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO3: रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO4: रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। ।

CO4: रीतिकालीन प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे।

ILO1: देव का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO2: बिहारी का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO3: घनानन्द का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO4: भूषण का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge	CO2, CO3			CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge	CO3					

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• रीतिकाल का सामान्य परिचय एवं पृष्ठभूमि • रीतिकाल : नामकरण एवं कालनिर्धारण	11	4	15	15
2	• रीतिकालीन लक्षण ग्रन्थों की परंपरा • रीतिकाल का वीर काव्य का सामान्य परिचय • रीतिकाल के प्रवर्तक - केशवदास या चिंतामणि	11	4	15	15
3	• रीतिकालीन काव्यधारा का वर्गीकरण: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त - परिचय एवं प्रवृत्तियाँ	11	4	15	15
4	• रीतिकाल के प्रमुख कवि - देव, बिहारी, घनानंद, भूषण (परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ)	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा
6. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER-II

Title of the Course : हिंदी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल
Course Code : MINHIN202
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description):

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के रीतिकालीन युग का गहन अध्ययन कराता है। रीतिकाल, जिसे 'शृंगारकाल' भी कहा जाता है, हिंदी साहित्य का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें काव्य सौंदर्य, अलंकार, नायिका भेद, नायकों के गुण तथा रस सिद्धांतों पर विशेष बल दिया गया है। इस युग में काव्य रचना दरबारी संस्कृति से प्रभावित थी और साहित्य का उद्देश्य मनोरंजन, सौंदर्य और कलात्मकता रहा। इस कोर्स में प्रमुख रीतिकालीन कवियों (जैसे बिहारी, केशव, देव, पद्माकर आदि) की रचनाओं और उनकी विशेषताओं का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा।

CO1: हिंदी साहित्य के रीतिकाल से परिचित करना ।

ILO1: रीतिकालीन युग के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को पहचान सकेंगे।

ILO2: 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति को समझ पाएंगे।

ILO3: रीतिकाल के नामकरण को जान पाएंगे ।

ILO4: रीतिकाल के काल निर्धारण के आधारों को समझकर तार्किक रूप से उसका मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO2: लक्षण ग्रंथों में वर्णित काव्यशास्त्रीय अवधारणाओं से परिचित कराना ।

ILO1: रीतिकालीन लक्षण ग्रंथों की परंपरा एवं विकास को ऐतिहासिक क्रम में समझ सकेंगे।

ILO2: 'प्रमुख लक्षण ग्रंथकारों जैसे आचार्य केशव, चिंतामणि, मतिराम आदि के योगदान की पहचान करेंगे।

ILO3: रीतिकाल में वीर रस काव्य का सामान्य परिचय, सामाजिक पृष्ठभूमि और विशेषताओं को स्पष्ट कर सकेंगे ।

ILO4: रीतिकालीन प्रवर्तकों में केशवदास व चिंतामणि की भूमिका की समीक्षा करेंगे।

CO3: रीतिकालीन काव्यधारा का वर्गीकरण से परिचित होंगे।

ILO1: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं की परिभाषा और भिन्नताओं को समझ पाएंगे।

ILO2: रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO3: रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO4: रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। ।

CO4: रीतिकालीन प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे।

ILO1: देव का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO2: बिहारी का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO3: घनानन्द का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO4: भूषण का साहित्यिक परिचय और काव्यागत विशेषताओं से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1,CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1,CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge	CO2, CO3			CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge	CO3					

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• रीतिकाल का सामान्य परिचय एवं पृष्ठभूमि • रीतिकाल : नामकरण एवं कालनिर्धारण	**11**	4	15	15
2	• रीतिकालीन लक्षण ग्रन्थों की परंपरा • रीतिकाल का वीर काव्य का सामान्य परिचय • रीतिकाल के प्रवर्तक - केशवदास या चिंतामणि	11	4	15	15
3	• रीतिकालीन काव्यधारा का वर्गीकरण: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त - परिचय एवं प्रवृत्तियाँ	11	4	15	15
4	• रीतिकाल के प्रमुख कवि - देव, बिहारी, घनानंद, भूषण (परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ)	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन; नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन; नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा
6. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - II

Title of the Course	:	**आधुनिक भारतीय कविता**
Course Code	:	**MDCHIN202**
Nature of the Course	:	**Multi-Disciplinary Course**
Total Credits	:	**3**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100**

पाठ्यपुस्तक - आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र एवं डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय, विवि प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम भारत की विविध भाषाओं के प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से भारतीय काव्य परंपरा, विविध काव्य-रूपों, भावधाराओं और भाषिक सौंदर्य का अध्ययन कराता है। इसमें असमिया, बांग्ला, उर्दू, संस्कृत, तमिल, गुजराती और कश्मीरी भाषा के चुनिंदा कवियों की रचनाओं का चयन किया गया है, जिनके माध्यम से भारतीय साहित्यिक चेतना, सामाजिक सरोकार, राष्ट्रवाद, सौंदर्यबोध, विद्रोह एवं मानवीय मूल्यों का विश्लेषण किया जाएगा।

CO1: असमिया और बांग्ला के प्रमुख कवियों के साहित्यिक परिचय से परिचित होंगे।

ILO1: नवकांत बरुआ की कविता 'धनसिरी के लिए दो स्तबक' से परिचय कराया जाएगा।

ILO2: नीलमणि फूकन की कविता 'कविता' से परिचय कराया जाएगा।

ILO3: रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविता 'शंख' से परिचय कराया जाएगा।

ILO4: काजी नज़रूल इस्लाम की कविता 'साम्यवाद' से परिचय कराया जाएगा।

CO2: उर्दू और संस्कृत के प्रमुख कवियों के साहित्यिक परिचय से परिचित होंगे ।

ILO1: ग़ालिब की गज़ल 1, 2 से परिचय कराया जाएगा।

ILO2: फ़िराक गोरखपुरी की कविता 'आज दुनिया पे रात भारी है' से परिचय कराया जाएगा।

ILO3: श्रीधर भास्कर वर्णेकर की कविता 'न्याय देवता' से परिचय कराया जाएगा।

ILO4: राधाबल्लभ त्रिपाठी की कविता 'पत्र मंजूषा' से परिचय कराया जाएगा।

CO3: तमिल और गुजराती के प्रमुख कवियों को समझ पाएंगे।

ILO1: सुब्रमण्यम भारती की कविता 'स्वतंत्रता' से परिचय कराया जाएगा ।

ILO2: वैरमुत्तु की कविता 'भूमि पर आए नव शताब्द हे!' से परिचय कराया जाएगा

ILO3: उमाशंकर जोशी की कविता 'वर दे इतना' और 'छोटा मेरा खेत' से परिचय कराया जाएगा ।

ILO4: संस्कृति रानी देसाई की कविता 'ढोल' से परिचय कराया जाएगा ।

CO4: कश्मीरी कविता को पहचान और जान सकेंगे।।

ILO1: जिंदा कौल की कविता 'नाविक' और 'मुझे और मेरे ग्रामवासियों को ले चलो' से परिचय कराया जाएगा।

ILO2: चंद्रकांता की कविता 'निष्कासितों की बस्ती में' से परिचय कराया जाएगा

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge	CO2, CO3			CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge	CO3					

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• **असमिया कविता : नवकांत बरूआ** – धनशिरी के लिए दो स्तबक **नीलमणि फूकन** – कविता • **बांग्ला कविता : रवीन्द्रनाथ टैगोर** – शंख **काजी नज़रूल इस्लाम** – साम्यवाद	12	-	12	15
2	• **उर्दू कविता : ग़ालिब** – गज़ल – 1, 2 **फ़िराक गोरखपुरी** – आज दुनिया पे रात भारी है • **संस्कृत कविता : श्रीधर भास्कर वर्णेकर** – न्याय देवता **राधावल्लभ त्रिपाठी** – पत्र मंजूषा	11	-	11	15
3	• **तमिल कविता: सुब्रमण्यम भारती** – स्वतंत्रता, **वैरमुत्तु** – भूमि पर आए नव शताब्द हे ! • **गुजराती कविता: उमाशंकर जोशी** – वर दे इतना, छोटा मेरा खेत **संस्कृति रानी देसाई** – ढोल	11	-	11	15
4	• **कश्मीरी कविता: जिंदा कौल** – नाविक, मुझे और मेरे ग्रामवासियों को ले चलो **चंद्रकांता** – निष्कासितों की बस्ती में	11	-	11	15
	Total	45	-	45	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ –

1. रवीन्द्र नाथ की कविताएं – प्रकाशक – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. ग़ालिब और उनकी शायरी – सं. प्रकाश पंडित, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
3. फ़िराक गोरखपुरी और उनकी शायरी – सं. प्रकाश पंडित, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
4. मिर्ज़ा ग़ालिब की जीवनी और शायरी – www.freehindipdfbook.com

SEMESTER-III

Title of the Course	:	**आधुनिककाल: भारतेन्दु से छायावाद तक**
Course Code	:	**CHIN303**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के आधुनिक युग के प्रारंभिक चरण का गहन अध्ययन प्रस्तुत करता है, जिसमें भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग और छायावाद को साहित्यिक विकास की ऐतिहासिक एवं वैचारिक कड़ियों के रूप में देखा गया है। इस कालखंड में सामाजिक जागरण,राष्ट्रवाद,आधुनिकता,भाषा-शुद्धि आंदोलन, व्यक्तिवाद और प्रकृति-सौंदर्य की काव्यात्मक अभिव्यक्ति की सशक्त उपस्थिति रही है। भारतेन्दु हरिश्चंद्र से आरंभ होकर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और फिर जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत तथा महादेवी वर्मा तक की काव्ययात्रा इस पाठ्यक्रम का केन्द्रीय विषय है। इस अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी न केवल काव्यधारा बल्कि प्रवृत्तियों को भी समझ सकेंगे, साथ ही साहित्य और समाज के अंतर्संबंधों को भी व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO 1: आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रारंभिक विकास की पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना।

- ILO1: छात्र आधुनिक काल के सामाजिक, राजनैतिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
- ILO2: छात्र आधुनिक काल के नामकरण और कालविभाजन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ILO3: छात्र हिंदी नवजागरण के स्वरूप को समझकर विविध संस्थाओं के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO 2: भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालना ।

- ILO1: भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।
- ILO2: भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 3: द्विवेदीयुगीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना ।

- ILO1: द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
- ILO2: द्विवेदीयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 4: छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौन्दर्य से परिचित कराना ।

- ILO1 : छायावाद की परिभाषा, स्वरूप और नामकरण के बारे में जानकारी मिलेगी ।
- ILO2: छायावादी काव्य की विशेषताएँ जान सकेंगे ।
- ILO3: छायावादी कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• आधुनिककाल - परिचय एवं पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनैतिक एवं संस्कृतिक) • आधुनिक काल : नामकरण एवं काल विभाजन • हिंदी नवजागरण का स्वरूप एवं उसके विकास में विविध संस्थाओं का योगदान	11	4	15	15
2	• भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दुयुगीन कवियों का सामान्य परिचय- भारतेन्दु, प्रताप नारायण मिश्र, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्णदास, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन', ठाकुर जगमोहन सिंह	11	4	15	15
3	• द्विवेदीयुगीन काव्य – प्रवृत्तियाँ • द्विवेदीयुगीन काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, श्रीधर पाठक	11	4	15	15
4	• छायावादी काव्य : सामान्य परिचय • छायावादी काव्य की विशेषताएँ • छायावादी कवियों का सामान्य परिचय - प्रसाद, 'निराला', पंत, महादेवी	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगरा
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER- III

Title of the Course : आधुनिक काल: प्रगतिवाद से साठोत्तरी कविता तक
Course Code : CHIN304
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य में आधुनिक कविता की चार प्रमुख धाराओं - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा साठोत्तरी एवं समकालीन कविता के विकास, प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों का सम्यक अध्ययन कराता है। इसमें सामाजिक यथार्थ, आत्मबोध, भाषाियों के वैचारिक दृष्टि कोण न की समग्र समझ विकसित की जाती है। के शिल्प में आए परिवर्त विद्यार्थियों को कवियों के वैचारिक दृष्टिकोण और सामाजिक संदर्भों के साथ कविता के रूपगत विश्लेषण की क्षमता प्रदान करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

CO1: प्रगतिवादी काव्य के परिदृश्य से परिचित कराना ।
- ILO1: प्रगतिवादी काव्य स्वरूप से परिचित होंगे ।
- ILO2: प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
- ILO3: प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे।

CO2: प्रयोगवादी काव्य के परिदृश्य से परिचित कराना ।
- ILO1 : प्रयोगवादी काव्य स्वरूप से परिचित होंगे ।
- ILO2 : प्रयोगवादी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
- ILO3: 'तारसप्तक' के कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे।

CO3: नयी कविता के वैचारिक आधार और अभिप्राय का सम्यक जानकारी देना ।
- ILO1 : नयी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।
- ILO2: नयी कविता की प्रमुख कवि से परिचित होंगे ।

CO4: साठोत्तरी और समकालीन काव्य का सम्यक जानकारी देना ।
- ILO1 : साठोत्तरी काव्य के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।
- ILO2: समकालीन काव्य के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।
- ILO3: समकालीन कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom’s Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• प्रगतिवादी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय - केदारनाथ अग्रवाल, • नागार्जुन, त्रिलोचन शास्त्री, शिवमंगल सिंह ‘सुमन’, रांगेय राघव	11	4	15	15
2	• प्रयोगवादी काव्य स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • ‘तारसप्तक’ के कवियों का सामान्य परिचय	11	4	15	15
3	• नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि (धर्मवीर भारती, • सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदारनाथ सिंह, गिरिजा कुमार माथुर)	11	4	15	15
4	• साठोत्तरी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • समकालीन काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • समकालीन कवियों का सामान्य परिचय - राजकमल चौधरी, दुष्यंत कुमार, ‘धूमिल’, लीलाधर जगूड़ी	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगारा
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – III

Title of the Course	:	**आधुनिककाल: भारतेन्दु से छायावाद तक**
Course Code	:	**MINHIN303**
Nature of the Course	:	**Minor**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100**

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के आधुनिक युग के प्रारंभिक चरण का गहन अध्ययन प्रस्तुत करता है, जिसमें भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग और छायावाद को साहित्यिक विकास की ऐतिहासिक एवं वैचारिक कड़ियों के रूप में देखा गया है। इस कालखंड में सामाजिक जागरण,राष्ट्रवाद,आधुनिकता,भाषा-शुद्धि आंदोलन, व्यक्तिवाद और प्रकृति-सौंदर्य की काव्यात्मक अभिव्यक्ति की सशक्त उपस्थिति रही है। भारतेन्दु हरिश्चंद्र से आरंभ होकर आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी और फिर जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत तथा महादेवी वर्मा तक की काव्य यात्रा इस पाठ्यक्रम का केन्द्रीय विषय है। इस अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी न केवल काव्यधारा बल्कि प्रवृत्तियों को भी समझ सकेंगे, साथ ही साहित्य और समाज के अंतर्संबंधों को भी व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO 1: आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रारंभिक विकास की पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना।

ILO1: छात्र आधुनिक काल के सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कर सकेंगे।

ILO2: छात्र आधुनिक काल के नामकरण और काल विभाजन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

ILO3: छात्र हिंदी नवजागरण के स्वरूप को समझकर विविध संस्थाओं के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO 2: भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालना ।

ILO1: भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO2: भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 3: द्विवेदीयुगीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना ।

ILO1: द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO2: द्विवेदीयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 4: छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौन्दर्य से परिचित कराना ।

ILO1 : छायावाद की परिभाषा, स्वरूप और नामकरण के बारे में जानकारी मिलेगी ।

ILO2: छायावादी काव्य की विशेषताएँ जान सकेंगे ।

ILO3: छायावादी कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• आधुनिक काल - परिचय एवं पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनैतिक एवं संस्कृतिक) • आधुनिक काल : नामकरण एवं काल विभाजन • हिंदी नवजागरण का स्वरूप एवं उसके विकास में विविध संस्थाओं का योगदान	11	4	15	15
2	• भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दुयुगीन कवियों का सामान्य परिचय- भारतेन्दु, प्रताप नारायण मिश्र, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्णदास, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन', ठाकुर जगमोहन सिंह	11	4	15	15
3	• द्विवेदीयुगीन काव्य – प्रवृत्तियाँ • द्विवेदीयुगीन काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, श्रीधर पाठक	11	4	15	15
4	• छायावादी काव्य : सामान्य परिचय • छायावादी काव्य की विशेषताएँ • छायावादी कवियों का सामान्य परिचय - प्रसाद, 'निराला', पंत, महादेवी	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली,
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगारा,
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
7. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER-III

Title of the Course	**:**	**असमीया भाषा एवं साहित्य**
Course Code	**:**	**MDCHIN303**
Nature of the Course	**:**	**Multi-Disciplinary Course**
Total Credits	**:**	**3**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100**

पाठ्यपुस्तक - असमीया साहित्य निकष - संo भूपेन रायचौधुरी,विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी,

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम असमीया भाषा की उत्पत्ति, विकास, संरचना और विविध साहित्यिक रूपों का गहन अध्ययन प्रदान करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को असमीया साहित्य की समृद्ध परंपरा, भाषिक विशेषताओं, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक अभिव्यक्तियों से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम असमीया भाषा के उद्भव और विकास का अध्ययन कराता है। विशेष रूप से वैष्णव युग एवं रोमांटिक युग के कवियों - शंकरदेव, माधवदेव, चंद्रकुमार अगरवाला और नलिनीबाला देवी के काव्य को गहराई से समझने का अवसर प्रदान कराता है।

CO1: असमीया भाषा की उत्पत्ति, विकास और भाषिक विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।

ILO1: असमीया भाषा के उद्भव को विवेचित कर सकेंगे।।

ILO2: असमीया भाषा के विकास से परिचित होंगे ।

CO2: वैष्णव युग और रोमांटिक युग के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रभावों का विश्लेषण कर सकेंगे।।

ILO1: वैष्णव युग के साहित्य में प्रयुक्त धार्मिक और सामाजिक संदर्भों की विवेचना करेगें ।

ILO2: रोमांटिक युग के बाद असमीया साहित्य के उपर पड़ने वाले प्रभाव को समझेंगे।

CO3: शंकरदेव एवं माधवदेव की वरगीतों की धार्मिक भावना और भाषा की विशेषताओं को पहचान सकेंगे।

ILO1: शंकरदेव की वरगीतों में प्रयुक्त प्रतीकों, भाषा शैली एवं भावात्मक अभिव्यक्ति को समझ सकेंगे।

ILO2: माधवदेव की वरगीतों में प्रयुक्त प्रतीकों, भाषा शैली एवं भावात्मक अभिव्यक्ति को समझ सकेंगे।

CO4: आधुनिक असमीया कवियों में चंद्रकुमार अगरवाला और नलिनीबाला देवी की राष्ट्रीय चेतना को समझ सकेंगे ।

ILO1 :चंद्रकुमार अगरवाला की कविताओं में मानवतावाद एवं लोकगीत के बारे में जानकारी मिलेगी ।

ILO2: नलिनीबाला देवी की काव्य में राष्ट्रवाद, नारी चेतना के साथ मानवीय मूल्यों की पहचान करेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• **असमीया भाषा : उद्भव और विकास**	12	-	12	15
2	• **वैष्णव युग, रोमांटिक युग**	11	-	11	15
3	• **वरगीत : शंकरदेव एवं माधवदेव की वरगीत की विशेषता** • **शंकर देव** - 1. मन मेरि राम चरणहि लागु, 2. नारायण ! काहे भकति करों तेरा • **माधवदेव** - 1. तेजरे कमलापति, 2. गोपाल गोवाली पाराते नाचे	11	-	11	15
4	• **चंद्रकुमार अगरवाला** – 1. मानव वंदना, 2. तेजीमला • **नलिनीवाला देवी** - 1. परमतृष्णा, 2. जनमभूमि	11	-	11	15
	Total	45	-	45	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ -

1. असमीया साहित्य का इतिहास - चित्र महंत, असाम हिंदी प्रकाशन, माछखोआ, गुवाहाटी,
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इंद्रनाथ चौधुरी, नेशनल पबलिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
3. असमीया साहित्य की रूपरेखा – सं. उपेंद्रनाथ गोस्वामी, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी
4. असमीया साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : डॉ०अलख निरंजन सहाय, महावीर प्रकाशन, डिब्रूगढ़

SEMESTER -IV

Title of the Course : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

Course Code : CHIN405

Nature of the Course : Major

Total Credits : 4

Distribution of Marks : 60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यपुस्तक – 1. विद्यापति पदावली – सं. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. मध्यकालीन काव्य संग्रह: प्रस्तुतकर्ता – केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3. काव्य सुषमा – सं. सत्यकाम विद्यालंकार, नया साहित्य, कश्मीरी गेट, दिल्ली

4. मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली – सं. डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. जायसी ग्रंथावली – सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी कविता के आदिकालीन एवं मध्यकालीन युग का परिचय कराता है। इसमें आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रतिनिधि कवियों की प्रमुख काव्य रचनाओं का अध्ययन कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र भक्तिकालीन साहित्यिक परंपरा, भाषा सौंदर्य, काव्य भावना और सामाजिक, सांस्कृतिक विचारधारा को समझ पाएंगे।

CO1 : आदिकालीन हिंदी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILOI: आदिकालीन हिंदी कवि विद्यापति और उनकी कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO2: कवयित्री मीराबाई और उनकी कविताओं की जानकारी मिलेगी ।

ILO3: रसखान की कविताओं से परिचित होंगे ।

CO2 : मध्यकालीन हिंदी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: कबीरदास और उनकी कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO2: जायसी का 'बारहमासा' के पदों के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO3 : सूरदास और तुलसीदास की कविताओं पर प्रकाश डालना।

ILO1: सूरदास के भक्तिपरक, बालवर्णन एवं शृंगारिक पदों से परिचित होंगे।

ILO2: तुलसीदास के 'कवितावली' और 'विनय पत्रिका' के पदों के बारे में जान सकेंगे ।

CO4 : रहीम और बिहारी के दोहों की नीति, शृंगार और सांस्कृतिक चेतना का विश्लेषण कर सकेंगे तथा घनानंद की कविताओं की अनुभूति को समझ पाएँगे।

ILO1: रहीम के नीतिपरक दोहों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: बिहारी के भक्ति और नीतिफरक दोहों को समझ सकेंगे।

ILO3: घनानंद की कविताओं में वर्णित विरह और प्रेमानुभूति को समझ पाएँगे।

Learning Outcome Representation: Bloom’s Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	**विद्यापति** - 1. भल हर भल हरि भल तुअ कला 2. नन्दक नन्दन क़दम्बेरि तरू तरे 3. देख-देख राधा-रूप अपार **मीराबाई** - 1. पायो जी मैं तो रामरतन धन पायो 2. उर में माखन चोर गड़े 3.पतियाँ मैं कैसे लिखूँ, लिख्योरि न जाय **रसखान** -1. मानुष हौं तौ वही ‘रसखानि’, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन 2. या लकुटी अरू कामरिया पर, राज तिहूँपुर को तजि डारौं 3. मोर-पंखा सिर ऊपर राखि हौं, गुंज की माल गरे पहिरौंगी **(काव्य सुषमा)**	11	4	15	15
2	**कबीर** : 1. दुलहिनीं गावहु मंगलाचार, हम घरि आए राजा राम भरतार 2. माया महा ठगिनी हम जानी 3. पंडित बाद बदै सो झूठा **जायसी** - नागमती-वियोग-खंड – बारहमासा - प्रथम पंद्रह (15) पद **(जायसी ग्रंथावली)**	11	4	15	15

3	**सूरदास** – 1. मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै 2. किलकत कान्ह घुटुरूवनि आवत 3. निरखति अंक स्याम सुंदर बार बार लावति लै छाती 4. अति मलीन बृषभानु-कुमारी **तुलसीदास** – **कवितावली** - 1. एहि घाटतें थोरिक दूरि अहै कटि लौं जलु थाह देखाइहौं जू 2. खेती न किसान को भिखारी को न भीख, बलि **विनयपत्रिका** – 1.बावरो रावरो नाह भवानी 2. कबहुँक अंब, अवसर पाइ	11	4	15	15
4	**रहीम** - दोहा संख्या: 6, 7, 12, 15, 16, 20, 21, 23, 24, 25 **बिहारी** - दोहा संख्या: 01, 02, 03, 06, 09, 10, 13, 20, 22, 26 **घनानंद** – 1. परकाजहि देह कों धारि फिरौ परजन्य जथारथ ह्वै दरसौ 2. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं 3. पहले अपनाय सुजान सनेह सौं क्यों फिरि तेह कै तोरियै जू **(मध्यकालीन काव्य संग्रह)**	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate
- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ -

1. रसखान ग्रंथावली – प्रो. देशराज सिंह् भाटी, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
2. घनानंद कवित – सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
3. बिहारी सतसई – सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
4. सूरदास ग्रंथावली 5 खण्ड – किशोरीलाल गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कवितावली – गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. विनयपत्रिका - गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. कबीर ग्रंथावली – सं. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
8. रहीम रचनावली – सं. डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER – IV

Title of the Course	:	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
Course Code	:	CHIN406
Nature of the Course	:	Major
Total Credits	:	4
Distribution of Marks	:	60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यपुस्तक – 1. आधुनिक काव्य संग्रह – सं. रामवीर सिंह, प्रस्तुतकर्ता - केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. काव्य सुषमा – सं. सत्यकाम विद्यालंकार, नया साहित्य, कश्मीरी गेट, दिल्ली

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

हिंदी साहित्य में आधुनिक युग का प्रारम्भ 1850 ई. से माना जाता है। यह भारतेन्दु युग के नाम से भी जाना जाता है। इस समय तक कविता की भाषा ब्रजभाषा थी, किन्तु खड़ी बोली को भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने प्रयास आरंभ हो गया था। दूसरी ओर अंग्रेजी शासन तथा पश्चिम के संपर्क में आने के कारण भारतीय साहित्यकारों की दृष्टि में भी परिवर्तन होने लगा। सशस्त्र विद्रोह तथा नवजागरण का प्रभाव भी इस युग की कविता पर पड़ा है। मूलतः आधुनिक कविता में तत्कालीन युग चेतना, बदलते हुए परिवेश आदि के स्वर मुखरित हुए हैं। अतः इस युग के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

C0-1 आधुनिक हिंदी कविता की प्रारम्भिक अवस्था से परिचित कराना।

ILO1: भारतेन्दु हरिश्चंद्र की कविता 'हिंदी भाषा' से परिचित होंगे।

ILO2: अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता 'प्रियप्रवास' के बारे में जान सकेंगे।

CO2: इस समय के राष्ट्रवादी कवियों की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'यशोधरा' से परिचित होंगे।

ILO2: माखनलाल चतुर्वेदी की कविता के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भवना को समझ सकेंगे।

CO3: छायावाद के प्रमुख कवि प्रसाद और निराला के कविता से परिचित कराना।

ILO1: जयशंकर प्रसाद की कविताओं को समझ सकेंगे।

ILO2: सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कविताओं से परिचित होंगे।

CO4: छायावाद के प्रमुख कवि पंत और महादेवी वर्मा की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: सुमित्रानन्दन पंत की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: महादेवी वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त आध्यात्मिक चेतना से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• **भारतेन्दु हरिश्चंद्र-** हिंदी भाषा – 15 दोहे (1 से 15) तक • **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'-** प्रियप्रवास, (षष्टसर्ग) 1-10 छंद	11	4	15	15
2	• **मैथलीशरण गुप्त** – यशोधरा – 1, 2, • **माखनलाल चतुर्वेदी** – 1. कैदी और कोकिला, 2. पुष्प की अभिलाषा	11	4	15	15
3	• **जयशंकर प्रसाद** – 1. श्रद्धा सर्ग, पद (1-44), 2.अरूण यह मधुमय देश हमारा • **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'** – 1. संध्या सुंदरी, 2. सरोज स्मृति	11	4	15	15
4	• **सुमित्रानंदन पंत** – 1. प्रथम रश्मि, 2. द्रुत झरो, 3. ताज • **महादेवी वर्मा** – 1. मैं नीर भरी दुःख की बदली, 2. यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, 3. पिक हौले-हौले बोल	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - IV

Title of the Course : छायावादोत्तर काव्य

Course Code : CHIN407

Nature of the Course : Major

Total Credits : 4

Distribution of Marks : 60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यपुस्तक – 1. आधुनिक काव्य संग्रह – सं. रामवीर सिंह, प्रस्तुतकर्ता - केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

छायावाद के उत्कर्ष-काल की समाप्ति के बाद हिंदी काव्य साहित्य में अनेक नयी प्रवृत्तियाँ उभर कर आयी है । ऐतिहासिक कालक्रम की दृष्टि से छायावादी काव्य के बाद प्रगतिवादी काव्य प्रारम्भ हुई, किन्तु कुछ ऐसी प्रवृत्तियों का भी उदय हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र काव्य आन्दोलन का रूप तो धारण नहीं किया मगर आधुनिक हिंदी काव्यधारा को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वस्तुतः छायावादोत्तर हिंदी कविता एक सुदृढ़ काव्यधारा है, जो अनेक विशेषताओं को स्वयं में समाहित किये हुए हैं । उसको ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

CO1: हालावाद एवं राष्ट्रीयतावादी कवियों की कविताओं से परिचित कराना ।

ILO1: हरिवंशराय बच्चन की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: रामधारी सिंह ‘दिनकर’ की कविताओं का परिचय प्राप्त होगा ।

CO2: प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कवियों की कविताओं से परिचित कराना ।

ILO1: नागार्जुन की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: सच्चिदानंद हीरानंद वत्सयायन ‘अज्ञेय’ की कविताओं के सैद्धान्तिक पक्ष को समझेंगे ।

CO3: भवानी प्रसाद मिश्र और मुक्तिबोध की कविताओं से परिचित कराना ।

ILO1: भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO2: गजानन माधव ‘मुक्तिबोध’ की कविताओं का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त होगा ।

CO4: गिरजा कुमार माथुर और ‘धूमिल’ की कविताओं से परिचित कराना ।

ILO1: गिरजा कुमार माथुर की कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO2: कवि ‘धूमिल’ की कविताओं के सैद्धान्तिक पक्ष को समझेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• **हरिवंशराय बच्चन-** 1. इस पार, उस पार, 2. अंधेरी रात में , • **रामधारी सिंह 'दिनकर'**- 1. हिमालय, 2. बुद्धदेव,	11	4	15	15
2	• **नागार्जुन** - 1. कालीदास, 2. बादल को घिरते देखा है, • **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** – 1. कलगी बाजरे की 2. साँप के प्रति, 3. हमारा देश	11	4	15	15
3	• **भवानी प्रसाद मिश्र** – 1. गाँव, 2. गीत फरोश • **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** – 1. खोल आंखे, 2. मृत्यु और कवि	11	4	15	15
4	• **गिरजा कुमार माथुर** – 1. पन्द्रह अगस्त, 2. रात हेमंत की • **'धूमिल'** - 1.कविता, 2. मोचीराम	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER IV

Title of the Course	:	हिंदी गद्य: उद्भव और विकास
Course Code	:	CHIN408
Nature of the Course	:	Major
Total Credits	:	4
Distribution of Marks	:	60 (End Sem.) + 40 (In Sem.) = 100

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी गद्य साहित्य के प्रारंभ, उद्भव, और क्रमिक विकास की समग्र समझ प्रदान करता है। इस पत्र में गद्य के प्रमुख विधाओं कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना और गद्य की अन्य विधाएँ रेखाचित्र आदि का परिचय एवं विश्लेषण भी किया जाएगा। हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों को हिंदी गद्य साहित्य से परिचय होना जरूरी है । गद्य साहित्य के इतिहास अध्ययन के बिना युगीन परिस्थितियों एवं गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचय होना संभव नहीं है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिंदी गद्य साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके ।

CO 1: हिंदी गद्य के विकास और विकास में सामाजिक संस्थाओं के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: हिंदी गद्य साहित्य के उद्भव-विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: हिंदी गद्य के विकास में विभिन्न सामाजिक संसथाओं की भूमिका से परिचित होंगे।

CO 2: हिंदी कहानी और उपन्यास के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: हिंदी कहानी का उद्भव और विकास के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।

CO3: हिंदी नाटक, एकांकी और निबंध के माध्यम से आधुनिक एवं उत्तर आधुनिक स्थितियों का बोध कराना ।

ILO1: हिंदी नाटक का उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।

ILO3: हिंदी निबंध का उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।

CO4: हिंदी आलोचना और हिंदी की गद्य की अन्य विधाओं से अवगत कराना ।

ILO1: हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: हिंदी की गद्य की अन्य विधाएँ – रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी और आत्मकथा से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• हिंदी गद्य का उद्भव और विकास • हिंदी गद्य के विकास में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका	11	4	15	15
2	• हिंदी कहानी का उद्भव और विकास • हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास	11	4	15	15
3	• हिंदी नाटक और एकांकी का उद्भव और विकास • हिंदी निबंध का उद्भव और विकास	11	4	15	15
4	• हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास • हिंदी की गद्य की अन्य विधाएँ (रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा)	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
    - Group Discussion
    - Seminar presentation on any of the relevant topics
    - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ-

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति – देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
6. उपन्यास साहित्य का इतिहास – डॉ. गुलाब राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER- IV

Title of the Course	:	आधुनिक काल : प्रगतिवाद से साठोत्तरी कविता तक
Course Code	:	MINHIN404
Nature of the Course	:	Minor
Total Credits	:	4
Distribution of Marks	:	60 (End Sem.) + 40 (In-Sem.) = 100

पाठ्यक्रम विवरण (Course Description) :

यह पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य में आधुनिक कविता की चार प्रमुख धाराओं - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा साठोत्तरी एवं समकालीन कविता के विकास, प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों का सम्यक अध्ययन कराता है। इसमें सामाजिक यथार्थ, आत्मबोध, भाषाको शैली और कविता के शिल्प में आए परिवर्तन की समग्र समझ विकसित की जाती है। विद्यार्थियों- कवियों के वैचारिक दृष्टिकोण और सामाजिक संदर्भों के साथ कविता के रूपगत विश्लेषण की क्षमता प्रदान करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

CO1: प्रगतिवादी काव्य के परिदृश्य से परिचित कराना ।

ILO1: प्रगतिवादी काव्य स्वरूप से परिचित होंगे ।

ILO2: प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।

ILO3: प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे।

CO2: प्रयोगवादी काव्य के परिदृश्य से परिचित कराना ।

ILO1 : प्रयोगवादी काव्य स्वरूप से परिचित होंगे ।

ILO2 : प्रयोगवादी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।

ILO3: 'तारसप्तक' के कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे।

CO3: नयी कविता के वैचारिक आधार और अभिप्राय का सम्यक जानकारी देना ।

ILO1: नयी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO2: नयी कविता की प्रमुख कवि से परिचित होंगे ।

CO4: साठोत्तरी और समकालीन काव्य का सम्यक जानकारी देना ।

ILO1 : साठोत्तरी काव्य के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO2: समकालीन काव्य के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO3: समकालीन कवियों का सामान्य परिचय से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom’s Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	Total Hours	Total Marks
1	• प्रगतिवादी काव्य – स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय (केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, त्रिलोचन शास्त्री, शिवमंगल सिंह ‘सुमन’, रांगेय राघव)	11	4	15	15
2	• प्रयोगवादी काव्य स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ • ‘तारसप्तक’ के कवियों का सामान्य परिचय	11	4	15	15
3	• नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि (धर्मवीर भारती, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदारनाथ सिंह, गिरिजा कुमार माथुर)	11	4	15	15
4	• साठोत्तरी या समकालीन कविता का सामान्य परिचय • साठोत्तरी या समकालीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ	12	3	15	15
	Total	45	15	60	60

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- Two Internal Examination - 20 Marks
- Others (Any two) - 20 Marks
  - Group Discussion
  - Seminar presentation on any of the relevant topics
  - Debate

- Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली